

Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 04 अगस्त, 2021

पगिली वेंकैया

02 अगस्त, 2021 को उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने राष्ट्रीय ध्वज तरिगा के ड्रिज़ाइनर और महान स्वतंत्रता सेनानी पगिली वेंकैया की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। 02 अगस्त, 1876 को आंध्र प्रदेश के कृष्णा ज़िले में जन्मे पगिली वेंकैया ने प्रारंभिक शिक्षा भटाला पेनमरू और मछलीपट्टनम में प्राप्त की तथा 19 वर्ष की आयु में उन्होंने अफ्रीका में एंग्लो-बोअर युद्ध के दौरान ब्रिटिश सेना में सैनिक के रूप में कार्य किया। इसी युद्ध के दौरान दक्षिण अफ्रीका में रहते हुए वे गांधी जी से मिले एवं उनसे काफी प्रभावित हुए। अफ्रीका से लौटने के बाद पगिली वेंकैया ने अपना अधिकांश समय कृषि और कपास की खेती पर शोध करते हुए बिताया। उन्होंने लाहौर के एंग्लो वैदिक स्कूल में संस्कृत, उर्दू और जापानी का अध्ययन भी किया। वर्ष 1918 तथा वर्ष 1921 के बीच पगिली वेंकैया ने कॉन्ग्रेस के लगभग प्रत्येक अधिवेशन में एक ध्वज की मांग का आह्वान किया। राष्ट्रीय ध्वज की आवश्यकता को स्वीकार करते हुए वर्ष 1921 में राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस की एक बैठक में गांधी जी ने वेंकैया से नए सरि से ड्रिज़ाइन तैयार करने को कहा। प्रारंभ में वेंकैया ने ध्वज में केवल लाल और हरे रंग का ही प्रयोग किया था, जो क्रमशः हिंदू तथा मुस्लिम समुदायों का प्रतिनिधित्व करते थे। कति बाद में इसके केंद्र में एक चरखा और तीसरे रंग (सफेद) को भी शामिल किया गया। वर्ष 1931 में भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस द्वारा इस ध्वज को आधिकारिक तौर पर अपनाया गया। 04 जुलाई, 1963 को पगिली वेंकैया की मृत्यु हो गई।

वशिव स्तनपान सप्ताह

प्रतिवर्ष दुनिया भर में 01 अगस्त से 07 अगस्त तक 'वशिव स्तनपान सप्ताह' का आयोजन किया जाता है। इस दिवस के आयोजन का प्राथमिक उद्देश्य स्तनपान के माध्यम से दुनिया भर में शिशुओं के स्वास्थ्य में सुधार को प्रोत्साहित करना है। यह दिवस अगस्त 1990 में सरकारी नीति निर्माताओं, वशिव स्वास्थ्य संगठन, यूनिसेफ और अन्य संगठनों द्वारा स्तनपान, इसका प्रचार और समर्थन करने हेतु हस्ताक्षरित 'इनोसेंटी डिक्लेरेसन' की याद दिलाता है। वर्ष 2018 में वशिव स्वास्थ्य सभा के एक प्रस्ताव के माध्यम से 'वशिव स्तनपान सप्ताह' को एक महत्वपूर्ण स्तनपान प्रोत्साहन रणनीति के रूप में घोषित किया गया था। स्तनपान, जैसी नर्सिंग के रूप में भी जाना जाता है, शिशुओं को उनकी वृद्धि और विकास के लिये आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करने की एक वधि है। वशिव स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, बच्चे के स्वास्थ्य और उत्तरजीवित को सुनिश्चित करने के लिये स्तनपान सबसे प्रभावी तरीकों में से एक है। हालाँकि वशिव भर में 3 में से लगभग 2 शिशुओं को अनुशंसित 6 महीनों तक स्तनपान नहीं कराया जाता है, जिसके कारण लाखों बच्चों को स्वास्थ्य स्तर पर भारी नुकसान का सामना करना पड़ता है।

दिल्ली की मेडिकल ऑक्सीजन प्रोडक्शन प्रमोशन पॉलिसी

दिल्ली सरकार ने मंगलवार को मेडिकल ऑक्सीजन प्रोडक्शन प्रमोशन पॉलिसी 2021 को मंजूरी दे दी, जिसका उद्देश्य मेडिकल ऑक्सीजन के उत्पादन, परिवहन और भंडारण पर निवेश करने वाले नए उद्योगों को बजिली सब्सिडी एवं कर प्रतिलिपि के माध्यम से प्रोत्साहित कर भविष्य में मेडिकल इमरजेंसी के लिये मेडिकल ऑक्सीजन के उत्पादन में राजधानी दिल्ली को आत्मनिर्भर बनाना है। इस नीति को अप्रैल माह में कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के दौरान दिल्ली में मेडिकल ऑक्सीजन के गंभीर संकट के मद्देनजर तैयार किया गया है। यह नीति भविष्य में किसी भी मेडिकल इमरजेंसी से निपटने के लिये दिल्ली को मेडिकल ऑक्सीजन के उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने हेतु दिल्ली सरकार के प्रयासों का हिससा है। गौरतलब है कि दिल्ली सरकार के अस्पतालों में 66 संयंत्रों में से 36 संयंत्र चालू हो चुके हैं, जबकि तीन तैयार हैं और शेष के 31 अगस्त तक चालू होने की उम्मीद है। वहीं केंद्र सरकार के अस्पतालों में 10 में से छह संयंत्र चालू हो चुके हैं तथा शेष अगस्त तक चालू हो जाएंगे।

लेखा महानियंत्रक- 'दीपक दास'

वरिष्ठ अधिकारी दीपक दास ने हाल ही में देश के नए 'लेखा महानियंत्रक' (CGA) के रूप में कार्यभार संभाला लिया है। वे देश के 25वें लेखा महानियंत्रक (CGA) हैं। दीपक दास वर्ष 1986 बैच के भारतीय सविले लेखा सेवा (ICAS) अधिकारी हैं। अपने 35 वर्षीय लंबे करियर के दौरान दीपक दास ने वजिज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पर्यावरण एवं वन, उद्योग संवर्द्धन विभाग तथा आंतरिक व्यापार और भारी उद्योग, वाणिज्य एवं वस्त्र, कृषि एवं किसान कल्याण, सड़क परिवहन जैसे मंत्रालयों में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। दीपक दास, भारतीय सविले लेखा सेवा की प्रशिक्षण अकादमी- 'सरकारी लेखा और वित्त संस्थान' (INGAF) के नदिशक भी रह चुके हैं। 'लेखा महानियंत्रक' का कार्यभार संभालने से पूर्व दीपक दास 'केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड' (CBDT) में प्रधान मुख्य लेखा नियंत्रक के रूप में भी कार्य कर चुके हैं। विदिति हो कि केंद्रीय वित्त मंत्रालय के वयय विभाग के तहत लेखा महानियंत्रक (CGA), भारत सरकार का प्रधान लेखा सलाहकार होता है, जो कि मुख्य तौर पर तकनीकी रूप से सुदृढ़ प्रबंधन लेखा प्रणाली की स्थापना और रखरखाव हेतु उत्तरदायी है।

